अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ

(संस्कृति विभाग, उ०प्र०)

विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-२२६०१०

स्थापना-२८ फरवरी, १९८५

संस्थान का कार्यक्षेत्र-सम्पूर्ण भारत

सम्मुख

माननीय मंत्री जी, संस्कृति एवं पर्यटन

विजन

बौद्ध धर्म संस्कृति एवं शिक्षा, शोध का प्रचार-प्रसार एवं बौद्ध तीर्थ स्थलों का समुचित विकास

मिशन

बौद्ध धर्म संस्कृति परम्परा एवं उनके महत्वपूर्ण सिद्धान्त का अनुशीलन, अनुसंधान, बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य का सम्पूर्ण मानव समाज में प्रचार-प्रसार, बौद्ध धर्म के पंचशील सिद्धान्त का आम जनमानस में प्रचार-प्रसार।

उद्देश्य

भारत के विभिन्न भागों में प्रचलित बौद्ध विधाओं का राष्ट्रीय सन्दर्भ में अध्ययन एवं तत्सम्बन्धी-शोध कार्य, बौद्ध स्थलों की सांस्कृतिक महत्व की परम्परागत एवं आधारभूत मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, कला अवशेषों का संरक्षण करना।

विगत ५ वर्षों की मुख्य उपलब्धियों का विवरण

- **त्रिदिवसीयः** अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कान्क्लेव का आयोजन दिनांक २०-२२ मार्च, २०२१ तथा **लघु पुस्तक/बुकलेट** एवं **'स्मारिका'** पुस्तक का प्रकाशन।
- **माननीय राष्ट्रपति जी के लखनऊ आगमन पर बौद्ध भिक्षुओं द्वारा परित पाठ का गायन**
- **उ०प्र० के सभी ७५ जनपदों में बौद्ध भिक्षुओं की धम्म यात्रा।**

- **विपश्यना कार्यशाला का आयोजन।**

- **अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कान्क्लेव का आयोजन दिनांक २० से २२ अक्टूबर, २०२१ को कुशीनगर, उ०प्र० में, मुख्य अतिथि मा० प्रधानमंत्री जी।**
- **संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक २८ फरवरी, २०२१ को सर्वपंथीय धम्म सभा का आयोजन**

विगत ५ वर्षों की मुख्य उपलब्धियों का विवरण

- विश्व पालि दिवस के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/बौद्ध सम्मेलन का आयोजन
- बौद्ध धर्म से सम्बन्धित कई बुकलेट का प्रकाशन, गॉव, तहसील एवं जिला स्तर पर बुकलेट का वितरण
- संस्थान द्वारा अम्बेडकर जयन्ती, बुद्ध पूर्णिमा एवं राष्ट्रीय पर्वों के अवसर पर सेमिनार/सम्मेलनों/धम्म सभा एवं धम्मदेशना का आयोजन
- कोविड-१९ के दृष्टिगत आनलाइन वेबिनारों का आयोजन
- दिनांक २९ मार्च, २०१८, अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन सी०एम०एस० गोमती नगर, लखनऊ

विगत ५ वर्षों की मुख्य उपलब्धियों का विवरण

- संस्थान द्वारा शैक्षणिक कार्य के अन्तर्गत स्नातक स्तर की कक्षायें २०१४ से संचालित की जा रही है, साथ ही स्नातक, परास्नातक एवं शोध कार्य भातखण्डे राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त कर संचालित किया जायेगा - नालन्दा विश्वविद्यालय बौद्ध दर्शन विभाग एवं केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान
- 'पालि भाषा एवं साहित्य' विषय में ०६ माह का पालि सर्टीफिकेट कोर्स का संचालन
- आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव के अन्तर्गत स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण घटनाओं की तिथियों पर वेबिनार, संगोष्ठी, प्रश्नोत्तरी, निबन्ध, भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन।

संस्थान का संगठनात्मक ढाँचा

अध्यक्ष - बौद्ध भिक्षु

उपाध्यक्ष - बौद्ध अनुयायी

सदस्य - 08 बौद्ध भिक्षु एवं 03 बौद्ध अनुयायी

पदेन सदस्य - प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग, उ0प्र0
- प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उ0प्र0
- प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0
- प्रमुख सचिव, नियोजन विभाग, उ0प्र0
- निदेशक, संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0

सदस्य/सचिव - निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ

संस्थान में सृजित/रिक्त पदों का विवरण

शासन द्वारा १४ पद सृजित, ०३ रिक्त।

क्र०सं०	स्वीकृति पद	पदों की सं०	भरे पद	रिक्त पद
१.	निदेशक	एक	भरा	–
२.	पुस्तकालयाध्यक्ष	एक	भरा	–
३.	कैटलागर	एक	–	१
४.	लेखालिपिक	एक	–	१
५.	आशुलिपिक	एक	भरा	–
६.	कनिष्ठ लिपिक	एक	–	१
७.	फोटोकापियर आपरेटर	एक	भरा	–
८.	ड्राइवर	एक	भरा	–
९.	बुक वाइण्डर	एक	भरा	–
१०.	अर्दली	एक	भरा	–
११.	पुस्तकालय परिचर	एक	भरा	–
१२.	अनुसेवक	दो	भरा	–
१३.	स्वी० कम चौ०	एक	भरा	–

आगामी १०० दिवस की कार्ययोजना एवं लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति

कार्ययोजना

- १६ मई बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ, एवं प्रदेश के विभिन्न जनपदों पर २१ जून तक कार्यक्रम
- बौद्ध धर्म से सम्बन्धित बुकलेटों एवं पुस्तिकाओं का प्रकाशन

लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति

- बौद्ध भिक्षुओं एवं बौद्ध उपासकों का सहयोग
- ३० जून २०२२ तक प्रकाशन सामग्री तैयार कर प्रकाशन की कार्यवाही की जायेगी

०६ माह की कार्ययोजना एवं लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति

- सर्वपंथीय धम्म यात्राएँ कौशाम्बी, संकिसा, सारनाथ, कपिलवस्तु, कुशीनगर एवं श्रावस्ती एवं उ०प्र० के विभिन्न जनपदों में विपश्यना साधना की कार्यशाला।

श्रावस्ती

कौशाम्बी

संकिसा

सारनाथ

कपिलवस्तु

०२ वर्ष की कार्ययोजना एवं लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति

कार्ययोजना

- अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट चैन्टिंग फेस्टिवल
- धम्म पद का पालि, संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषाओं में अनुवाद
- विपश्यना एवं शोध कार्यों हेतु समझौता ज्ञापन

श्रीलंका

लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति

अन्तर्राष्ट्रीय एवं बुद्धिस्ट संस्थानों के सहयोग से तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कान्क्लेव का आयोजन

विषय विशेषज्ञ विद्वानों से अनुवाद कराकर प्रकाशन की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थाओं से एम०ओ०यू०

बैंकाक

०५ वर्ष की कार्ययोजना एवं लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति

कार्ययोजना

- अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कान्क्लेव का आयोजन

लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संगठनों एवं विद्वानों को जोड़कर विभिन्न स्थानों पर अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलनों का वृहद आयोजन हेतु धार्मिक एवं पर्यटन के दृष्टिकोण से सुगम स्थानों का चयन।

आगन्तुकों की मूलभूत सुविधाओं के अनुरूप कार्ययोजनाओं में कार्यस्थलों के बौद्ध भिक्षुओं एवं संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करना।

धन्यवाद

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ

(संस्कृति विभाग, उ०प्र०)

विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-२२६०१०